पाठ 9

कहाँ–कहाँ से पानी

कक्षा 4 में आपने पढ़ा कि पानी का उपयोग कहाँ–कहाँ होता हैं। अगर हमारे घर पर 3–4 दिन पानी नहीं मिले तो हम बहुत परेशान हो जाते हैं। हम पानी के बिना नहीं रह सकते हैं। पानी जीवन के लिए अति आवश्यक है।

सोचिए और बताइए

- पीने के लिए कैसा पानी काम में लेना चाहिए?

आपने नल, टंकी, हेंडपम्प, ट्यूबवेल आदि देखे होंगे। कभी सोचा है कि इनमें पानी कहाँ से आता है? पहले कुएँ, बावड़ी, तालाब, नदी, झील आदि से पानी लाते थे। आजकल शहरों में घर–घर में नल लगे हैं। गाँवों में भी जलदाय विभाग की टंकियाँ बनी हैं और उसके पास नल लगे हैं। कहीं–कहीं पर हेण्डपम्प भी लगे हैं।

चित्र 9.1 जल स्त्रोत

पता कीजिए और बताइए

- आपके गाँव और आस–पास पानी के कौन–कौनसे स्त्रोत हैं?
- आपके गाँव/शहर के आस–पास कोई तालाब, झील या बाँध हो तो उसके बारे में निम्नलिखित जानकारियाँ एकत्र कीजिए
  - इसका नाम क्या है?
  - यह कितना पुराना है?
  - इसे किसने बनवाया?
  - इसमें पानी कहाँ से आता है?
  - इसके पानी का उपयोग किन–किन कामों में होता है?
  - इसके पास कौन–कौनसे मेले, त्योहार आयोजित किए जाते हैं?

राजस्थान में जल की महत्ता को समझते हुए राजा–महाराजाओं और जनसामान्य ने मिलकर जल संग्रह के लिए समृद्ध तंत्र विकसित किए थे, जिसमें एक या एक से अधिक तालाब आपस में नहरों द्वारा जुड़े होते थे। एक–एक कर सभी तालाब वर्षा जल से भरते उसके बाद उस क्षेत्र से पानी बाहर निकलता था। इसी तरह घरों में भी वर्षा जल को संग्रहित किया जाता था।

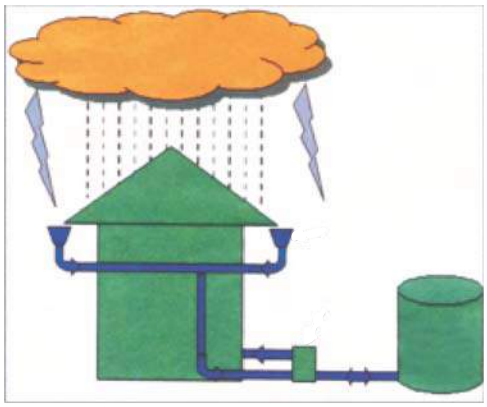

चित्र 9.2 वर्षा जल संग्रह

पता कीजिए और लिखिए

- वर्षा जल के प्रवाह क्षेत्र में आए नालों, नहरों को रोकने से क्या प्रभाव पड़ेगा?
- क्या आपके आस–पास कोई बड़ा तालाब या बाँध है ?
- इससे कितने तालाब / नाडी जुड़े हैं?
- इन तालाबों में किस महीने में पानी अधिक रहता है?
- क्या अलग–अलग तालाबों के पानी का उपयोग भी अलग–अलग किया जाता है?

आजकल झीलों, तालाबों का पानी फिल्टर कर के पाइप लाईन से घरों तक पहुँचाया जाता है। पीने के पानी को शुद्ध करने के कई तरीके आपने भी देखे होंगे। जैसे कपड़े से छानना, उबालना। आजकल मशीनों से भी पानी को फिल्टर करते हैं। शुद्ध व स्वच्छ पानी पीने से अनेक बीमारियों से बचा जा सकता है।

चित्र 9.3 जल का शुद्धीकरण

सोचिए और बताइए

- झील / तालाब के पानी को फिल्टर क्यों करते हैं?
- झीलों / तालाबों का पानी किन–किन कारणों से दूषित होता है?
- आपके घर में जल का शुद्धीकरण किस प्रकार किया जाता है?

कलात्मक जल स्त्रोत

लंबे समय से कुएँ–बावड़ियाँ राजस्थान में पेयजल और सिंचाई के स्त्रोत रहे हैं। विशेषकर बावड़ी में पानी तक पहुँचने के लिए चारों तरफ आकर्षक सीढ़ियाँ बनाई जाती हैं। बावड़ियाँ जल स्रोत के साथ–साथ लोगों की धार्मिक और सामाजिक जरूरत को पूरा करती हैं तथा प्राचीन कला को भी प्रदर्शित करती है।

रामदेवरा की परचाबावड़ी, जालोर की खिन्नी बावड़ी, आभानेरी की चाँदबावड़ी, ओसियाँ, भीनमाल, बूंदी, खेतड़ी, आमेर, नीमराणा आदि जगहों की बावड़ियाँ बहुत पुरानी हैं। इनमें से कई रख–रखाव के अभाव के कारण खराब हो रही हैं। हमें इनके संरक्षण के प्रति जागरूक रहना चाहिए।

रामदेवरा में आने वाले तीर्थ यात्री परचा बावड़ी के पानी को पवित्र जल के रूप में मानते हैं और अपने साथ ले जाते हैं। झुंझुंनू की मेडतनी बावड़ी प्राचीन, सुंदर और कलात्मक बावड़ी है। यह 150 फीट गहरी है। इसमें झरोखे व बरामदे भी बने हैं।

चित्र 9.4 रामदेवरा की परचाबावड़ी

देखिए और चर्चा कीजिए

- बावड़ियों में सीढ़ियाँ क्यों बनाई जाती है?
- अपने आस–पास किसी बावड़ी के बारे में पता कीजिए और लिखिए। इसे कब व किसने बनवाया? इसका पानी कितना व कैसा है?
- बावड़ियों का पानी गंदा न हो इसके लिए हमें क्या करना चाहिए?

बावड़ियों की तरह अनेक कुएँ भी कलात्मक हैं। कुएँ गोलाकार होते हैं। इनमें पक्की दीवारें बनी होती हैं। कुओं से पानी कई तरीकों से निकालते हैं। इसके पास बने चौकोर चबूतरे पर कलात्मक छतरियाँ, खेलियाँ, कूंडियाँ भी बनाई जाती थी।

चित्र 9.5 तालाब का दृश्य

सोचिए और बताइए

- कुएँ और बावड़ी में क्या अंतर है?
- कुएँ में पानी कहाँ से आता होगा?
- चित्र में जो तालाब दिखाया गया है, क्या उसका पानी पीने योग्य है?
- पेय जल स्रोत किन–किन कारणों से प्रदूषित हो रहे हैं?
- पेय जल स्त्रोतों का पानी साफ रहे, इसके लिए हमें क्या–क्या करना चाहिए?

बड़े बाँध

समय के साथ बढ़ती जनसंख्या के लिए पानी की आवश्यकता की पूर्ति हेतु नदियों पर बड़े बाँध बनाए जाने लगे हैं। जैसे बाँसवाड़ा में माही नदी पर और कोटा में चंबल नदी पर बाँध बनाए गए हैं। ये विद्युत उत्पादन के साथ सिंचाई और पेयजल के स्रोत के रूप में काम आते हैं। बाँध से बिजली बनने का तरीका आप उच्च कक्षाओं में जानेंगे।

चित्र 9.6 माही बाँध

हमने सीखा

- कुएँ, बावडियाँ हमारे जल स्रोत है।
- हमें हमारे जलाशय व उसके आस–पास की जगह को साफ रखना चाहिए।
- बाँध, सिंचाई, विद्युत उत्पादन व जल स्रोत के रूप में काम आते हैं।

जाना–समझा, अब बताइए

- पेय जल के स्रोत कुआँ, बावड़ी और ..... हैं।
- घर में पानी नल से और ..... से आता है।
- कुआँ गोल होता है और बावड़ी ..... होती है।
- पानी छानकर, उबालकर और ..... से साफ करते हैं।

सार्वजनिक जल स्रोत राष्ट्रीय धरोहर हैं,
इनका हम संरक्षण करें।